

50



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 359]
No. 359]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 30, 2003/श्रावण 8, 1925
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 30, 2003/SRAVANA 8, 1925

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2003

सा.क्र.नि. 614(अ).—केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए

निम्नलिखित प्रारूप नियम, जिसे केन्द्रीय सरकार मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 27, 41, 50 और धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है; और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि

की समाप्ति के भीतर किसी व्यक्ति से प्राप्त हो सकेंगे, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा;

इन प्रारूप नियमों के संबंध में आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के

भीतर संयुक्त सचिव (परिवहन), सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, परिवहन भवन, नई दिल्ली

को भेजे जा सकेंगे।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटर यान (.... संशोधन) नियम, 2003 है।

(2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, ये भारत के राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख से छह मास के पश्चात् प्रवृत्त होंगे।
2. केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 2 में, खंड (घ) के स्थान पर राजपत्र में इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:-

‘घ. “वित्त पोषक” से ऐसा व्यक्ति और हक धारक सह व्यावहारिक अभिप्रेत है जो अपने मोटर यान को रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में अपने नाम में उसे रजिस्ट्रीकृत कराने की अनुज्ञा के साथ आपरेटर को अवक्रय या पट्टे या आडमान करार के अधीन भाड़े पर देता है’;
3. उक्त नियमों के नियम 50 के उपनियम (5) में, “30 डिग्री से अधिक” शब्दों और अंकों के स्थान पर “45 डिग्री से अधिक” शब्द और अंक रखे जाएंगे।
4. उक्त नियमों के नियम 57 के उपनियम (2) में, राजपत्र में इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“परंतु यह कि केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के नाम में मोटर यान, संबद्ध यान की नीलामी या व्ययन की कार्यवाही सत्यापित किए बिना संबद्ध रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा अंतरित नहीं किया जाएगा।”

5. उक्त नियमों के नियम 93 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“93क. कृषि ट्रैक्टरों के लिए संपूर्ण विमा --

- (1) कृषि ट्रैक्टर की संपूर्ण चौड़ाई 2.6 मीटर से अधिक नहीं होगी ।
- (2) कृषि ट्रैक्टर की संपूर्ण लंबाई 6.5 मीटर से अधिक नहीं होगी ।
- (3) कृषि ट्रैक्टर की संपूर्ण ऊँचाई 3.8 मीटर से अधिक नहीं होगी ।
- (4) कृषि ट्रैक्टर का प्रलम्बन 1.85 मीटर से अधिक नहीं होगा ।

6. उक्त नियमों के नियम 94 में,-

(क) उपनियम (1) में “प्रत्येक मोटर यान” शब्दों के स्थान पर “प्रत्येक मोटर यान जिसके अंतर्गत कृषि ट्रैक्टर और उसका ट्रैलर भी है” शब्द रखे जाएंगे

(ख) “कृषि यान” शब्दों के स्थान पर “मोटर यान जिसके अंतर्गत कृषि ट्रैक्टर और उसका ट्रैलर भी है” शब्द रखे जाएंगे

(ग) उपनियम (3) में दूसरे परंतु के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“परंतु यह भी कि खंड (iv) में विनिर्दिष्ट नॉन-स्किड गहराई (एनएसडी) और ट्रीड वियर इंडिकेटर (टीडब्ल्यूआई) की अपेक्षाएं कृषि ट्रैक्टर टायरों के लिए लागू नहीं होंगी”

7. उक्त नियमों के नियम 95 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“95क. कृषि ट्रैक्टर के लिए टायरों का आकार और प्लाई रेटिंग --(1) कृषि ट्रैक्टर के टायर की भार वहन क्षमता वह होगी जो, इस बात के अधीन कि कृषि ट्रैक्टर विनिर्माता द्वारा विनिर्दिष्ट अधिकतम भार, टायर विनिर्माता द्वारा अनुज्ञात भार से अधिक नहीं होगा, टायर विनिर्माता द्वारा विनिर्दिष्ट की जा सकेगी।

(2) कृषि ट्रैक्टर विनिर्माता केवल उसी संस्तुत या अधिमानित रिम आकार का चयन करेगा जो टायर विनिर्माता द्वारा सुझाया गया हो।

टिप्पण: उपर्युक्त दोनों उपनियमों के अनुपालन के लिए भा.मा.:13154-1991- कृषि ट्रैक्टर, उपकरण और पॉवर टिलर के लिए टायर निर्दिष्ट किया जाएगा। यदि टायरों का कोई विशिष्ट आकार भा.मा.: 13154-1991-में सूचीबद्ध नहीं है तो ईसीई, जेएटीएमए, ईटीआरओ, टी एंड आरए और आईटीटीएसी,आदि, जैसे कोई समतुल्य अंतरराष्ट्रीय मानक स्वीकार किए जाएंगे”।

8. उक्त नियमों के नियम 96 में उपनियम (4) के खंड (iv) का लोप किया जाएगा।

9. उक्त नियमों के नियम 96ख के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“96 ग. कृषि ट्रैक्टर के लिए ब्रेक -- कृषि ट्रैक्टर की ब्रेक प्रणाली भा.मा.: 12061-1994

और भा.मा.: 12207-1999 के अनुरूप होगी।”

10. उक्त नियमों के नियम 98 में,-

(क) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(2) प्रत्येक मोटर यान का स्टीयरिंग इस प्रकार निर्मित होगा ताकि वह समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय मानक भा.मा. : 12222-1987 के अनुरूप हो । ” ;

(ख) उपनियम (3) में “अशक्त यात्री गाड़ियों और कृषि ट्रैक्टरों” शब्दों के स्थान पर “और असक्त यात्री गाड़ियों” शब्द रखे जाएंगे ।

(ग) उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(5) पावर स्टीयरिंग ,--

(क) 1 मई, 2004 से ही प्रवर्ग एन 3 बहुधुरी यानों में ; और

(ख) 1 दिसंबर, 2004 से ही प्रवर्ग एन 3 के बहुधुरी यानों से भिन्न यानों में, लगे होंगे । ” ।

11. उक्त नियमों के नियम 98 क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“98 ख. कृषि ट्रैक्टरों के लिए स्टीयरिंग गियर :- (1) कृषि ट्रैक्टरों का स्टीयरिंग गियर अच्छी और ठीक हालत में रखा जाएगा । वह स्टीयरिंग व्हील पर 30 डिग्री से अधिक पश्चगमन नहीं करेगा । स्टीयरिंग बंधता जोड़ने वाले सभी बॉल संयोजनों की रबड़ कैप लगाकर सुरक्षा की जाएगी और जहां जोड़ों पर बोल्ट या पिन लगे हों, वहां बोल्टों और पिनों को प्रभावी ढंग से लॉक किया जाएगा ।

(2) प्रत्येक कृषि ट्रैक्टर का टर्निंग सर्कल डायमीटर और टर्निंग सर्कल क्लीयरेंस डायमीटर भा.मा.: 11859-1986 के अनुरूप होगा ।

(3) कृषि ट्रैक्टर की स्टीयरिंग प्रयास अपेक्षा समय-समय पर यथा संशोधित एआईएस: 042 के अनुरूप होगी । ”

12. उक्त नियमों के नियम 99 में “ सन्निर्माण उपस्कर यान” शब्दों के स्थान पर “ सन्निर्माण उपस्कर यान और कृषि ट्रैक्टर” शब्द रख जाएंगे ।

13. उक्त नियमों के नियम 106 के उपनियम (1) के खंड (क) के परंतुक का लोप किया जाएगा ।
14. उक्त नियमों के नियम 112 के चौथे परंतुक में “परंतु यह और कि ट्रेक्टर की दशा में, उर्द्धवाकर” शब्दों के स्थान पर “परंतु यह और कि कृषि ट्रेक्टर की दशा में उर्द्धवाधर या क्षैतिज” शब्द रखे जाएंगे ।
15. उक्त नियमों के नियम 115 में,—

(क) उपनियम (7) में “छह मास के लिए या ऐसी कम अवधि के लिए होगी जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विहित की जाए” शब्दों के स्थान पर “छह मास के लिए होगी” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) उपनियम (7) के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु यह कि 1 अप्रैल, 2000 को या उसके पश्चात् विनिर्मित नए उत्पादन यानों के लिए कार्बन मोनोक्साइड (सीओ) उत्सर्जन मानक 1 अक्टूबर 2004 से निम्नलिखित मानों के अनुरूप होंगे, अर्थात्:-

- (i) दुपहियों और तिपहियों से भिन्न पेट्रोल चालित बंद पाश 3-मार्गी उत्प्रेरकी परिवर्तक लगे यानों के लिए 0.5 % कार्बन मोनोक्साइड और अन्य यानों के लिए 3.0 % ;
- (ii) उत्प्रेरकी परिवर्तक लगे 4 स्ट्रोक दुपहिए और तिपहिए पेट्रोल चालित यानों के लिए कार्बन मोनोक्साइड सीमा 3.5% होगी ;
- (iii) उपयोग में लिए जा रहे 2 स्ट्रोक दुपहियों की दशा में हाइड्रोकार्बन (एचसी) मानक 6000 पीपीएम और 4 स्ट्रोक दुपहियों और तिपहियों की दशा में 4500 पीपीएम होंगे ;
- (iv) 3-मार्गी उत्प्रेरकी परिवर्तक लगे भारत स्टेज -II कंप्लायंट मोटर कारों के लिए हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन स्तर 750 पीपीएम और अन्यो के लिए 1500 पीपीएम होगा ;
- (v) 1 अप्रैल, 2000 से पूर्व विनिर्मित दुपहियों और तिपहियों की दशा में हाइड्रोकार्बन सीमा 9000 पीपीएम होगी ।

“परंतु यह और कि किसी विनिर्दिष्ट शहर या क्षेत्र में प्रचालित तीन-मार्गी बंद पाश उत्प्रेरकी परिवर्तक लगे पेट्रोल यानों की दशा में यथास्थिति संबंधित राज्य सरकार या संघराज्य क्षेत्र प्रशासन राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, यह सुनिश्चित करने के पश्चात् कि परीक्षण अभिकरणों द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित मानों के मापन में सक्षम गैस विश्लेषक, यथास्थिति, ऐसे शहर या क्षेत्र में उपलब्ध है, उपयोग में लिए जा रहे यानों के लिए लाम्बडा और अधिक कठोर उत्सर्जन मानकों का मापन ऐसी अवधिकता के साथ जो आवश्यक हो, की शुरुआत विनिर्दिष्ट कर सकेगा । ”;

16. उक्त नियमों के नियम 115 ख में:-

(क) “यानों के लिए जब वे संपीड़ित गैस पर प्रचालित हो” शब्दों के साथ प्रारंभ होने वाले और “संपीड़ित प्राकृतिक गैस में मीथेन अर्न्तग्रस्त 70% से कम नहीं होगा” शब्दों, अक्षरों और अंकों के साथ समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित शब्द, अक्षर और अंक रखे जाएंगे, अर्थात् :-

“यानों के लिए जब वे संपीड़ित प्राकृतिक गैस (जिसे इस नियम में इसके पश्चात् सी.एन.जी. कहा गया है) पर प्रचालित हों, द्रव्यमान उत्सर्जन मानक वही होंगे जो गैसोलीन यानों के लिए लागू हैं इस अपवाद के साथ कि हाइड्रोकार्बन के स्थान पर गैर मीथेन हाइड्रोकार्बन (एमएनएचसी) प्रतिस्थापित करेंगे, जहां एमएनएचसी = $0.3X$ एचसी ।”

(ख) ओ ई, सी.एन.जी. यान/संपरिवर्तित डीजल यान से संबंधित मद (आ) के खंड III के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(III) डीजल संपरिवर्तित यानों के लिए विशेष छूट उपलब्ध होगी और जहां ऐसे यान मॉडल/चेसिस इन नियमों के अधीन भारत स्टेज II मानों को पूरा करती है वहां टाइप अनुमोदन का आधार यान मॉडल और ऐसे भारत स्टेज II मान की विधि मान्यता तक विनिर्मित मद आ के खंड (II) के अंतर्गत आने वाले उसके रूपांतरणों पर, विस्तार किया जा सकता है । परीक्षण अभिकरणों से ऐसे मॉडल और उनके रूपांतरणों को, जिनके संबंध में प्रमाणपत्र विधिमान्य होगा, विशिष्ट रूप से उपदर्शित करने की अपेक्षा की जाएगी ;”

17. उक्त नियमों के नियम 115 ग के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(1) यानों के लिए जब वे एलपीजी पर प्रचलित हों, द्रव्यमान उत्सर्जन मानक वही होंगे जो गैसोलीन यानों के लिए लागू हैं, जहां हाइड्रोकार्बन के स्थान पर रिएक्टिव हाइड्रोकार्बन (आरएचसी) प्रतिस्थापित करेंगे, जहां आरएचसी = $0.5X$ एचसी I”;

18. उक्त नियमों के नियम 119 में,—

(क) उपनियम (1) में “जिसके अंतर्गत सन्निर्माण उपस्कर यान भी है” शब्दों के स्थान पर “जिसके अंतर्गत सन्निर्माण उपस्कर यान और कृषि ट्रेक्टर भी है” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) उपनियम (2) में “मोटर यान” शब्दों के स्थान पर “मोटर यान जिसके अंतर्गत कृषि ट्रेक्टर भी है” शब्द रखे जाएंगे;

19. उक्त नियमों के नियम 120 में,—

(क) उपनियम (1) में “प्रत्येक मोटर यान” शब्दों के स्थान पर “प्रत्येक मोटर यान जिसके अंतर्गत कृषि ट्रेक्टर भी है” शब्द रखे जाएंगे ।

(ख) उपनियम (2) में सारणी के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु यह कि अधिकतम ध्वनि मानक पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 की अनुसूची 4 के भाग ड में विनिर्दिष्ट सीमाओं के अनुसार अनुज्ञात किए जाएंगे । ” ;

(ग) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(3) कृषि ट्रेक्टर की दशा में पास बाई ध्वनि परीक्षण और प्रचालक के कान के स्तर पर ध्वनि स्तर परीक्षण समय-समय पर यथा संशोधित भा.मा. : 12180 के अनुसार किए जाएंगे और नीचे की सारणी में यथा उपदर्शित स्तरों के अनुरूप होंगे :

सारणी

क्र.सं.	कार्यान्वयन की तारीख	खड़े रहने वाले व्यक्ति की स्थिति द्वारा	प्रचालक के कान का स्तर
(1)	कार्यावित होना (अर्थात् अधिसूचना की तारीख से)	90 डीबी(क)	100 डीबी(क)
(2)	अधिसूचना की तारीख से दो वर्ष	88डीबी(क)	98 डीबी(क) ।”

20. उक्त नियमों के नियम 121 के उपनियम (1) में “सन्निर्माण उपस्कर यान” शब्दों के स्थान पर “कृषि ट्रैक्टर और सन्निर्माण उपस्कर यान” शब्द रखे जाएंगे ;

21. उक्त नियमों के नियम 122 के उपनियम (1) में “ट्रेलरों और अर्द्ध ट्रेलरों से भिन्न प्रत्येक मोटर यान” शब्दों के स्थान पर “ट्रेलरों और अर्द्ध ट्रेलरों से भिन्न प्रत्येक मोटर यान जिसके अंतर्गत कृषि ट्रैक्टर और सन्निर्माण उपस्कर यान भी हैं” शब्द रखे जाएंगे ।

22. उक्त नियमों के नियम 124 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“124क. कृषि ट्रैक्टरों के लिए संघटकों के सुरक्षा मानक--(1) कृषि ट्रैक्टरों में प्रयुक्त लैम्प निम्नलिखित प्रकार के होंगे--

(i) हैड प्रकाश प्रमुख और डिप ;

(ii) पार्किंग प्रकाश;

(iii) दिशा सूचक लैम्प;

(iv) पुच्छ लैम्प;

(v) रिवर्सिंग लैम्प;

(vi) स्टोप लैम्प;

(vii) रियर रजिस्ट्रेशन चिन्ह उपदर्शित करने वाला लैम्प; और

(viii) टॉप प्रकाश ,

और भा.मा.: 1606-1979 के अनुसार होंगे ।

- (2) कृषि ट्रैक्टर के लिए प्रकाश और प्रकाश संकेत युक्तियां, ऐसे समय तक जब तक कि तत्स्थानी बीआईएस मानक अधिसूचित नहीं किए जाते, समय-समय पर यथा संशोधित एआईएस : 030 के अनुसार होंगी ।

परंतु यह कि 1 अप्रैल, 2005 से ही विनिर्मित कृषि ट्रैक्टर के प्रकाश, प्रकाश संकेत और सूचन प्रणालियों की संपादन अपेक्षाएं, ऐसे समय तक जब तक कि तत्स्थानी बीआईएस मानक अधिसूचित नहीं कर दिए जाते हैं, समय-समय पर यथा संशोधित सुरक्षा मानक एआईएस: 062/डी1 के अनुसार होंगी ।

- (3) द्रव चालित ब्रेक होज कृषि ट्रैक्टर और उसके ट्रेलरों में जहां कहीं भी उपयोग किए जाते हैं भा.मा.: 7079-1995 के अनुसार होंगे ।

- (4) वनस्पति, गैर खनिज आधारित द्रव चालित तरल कृषि ट्रैक्टर में जहां कहीं भी उपयोग किए जाते हैं भा.मा.: 8654-1996 के अनुसार होंगे ।

- (5) टॉ हुक कृषि ट्रैक्टर में जहां कहीं भी उपयोग किया जाता है, समय-समय पर यथा संशोधित भा.मा.: 12362(भाग 2) के अनुसार होगा ।

- (6) कृषि ट्रैक्टर के ईंधन टैंक समय-समय पर यथा संशोधित भा.मा.: 12056 में अधिकथित अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे:

परंतु यह कि ऐसा कृषि ट्रैक्टर जिसमें गुरुत्व भरण ईंधन प्रवाह प्रणाली है, के लिए भा.मा.: 12056 के खंड 3.2.1 से छूट प्राप्त होगी ।

- (7) कृषि ट्रैक्टर में प्रयुक्त व्हील नट और हब कैप भा.मा.: 13941-1994 के अनुसार होंगे ।”।

23. उक्त नियमों के नियम 126 में,—

(क) “विनिर्माता” शब्द के स्थान पर “विनिर्माता या आयातक” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु यह और कि पूर्ण रूप से निर्मित यूनिट (सीबीयू) के रूप में भारत में आयातित यानों की बाबत आयातक अधिनियम और इन नियमों के उपबंधों की अनुपालना के बारे में परीक्षण अभिकरण द्वारा एक प्रमाण पत्र मंजूर किए जाने के लिए उस अभिकरण को उस विशिष्ट मॉडल और टाइप का एक यान भेजेगा ।”

24. उक्त नियमों के प्ररूप 1क के टिप्पण में राजपत्र में इस अधिसूचना के अंतिम प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

उक्त नियमों के प्ररूप 1क में उसके टिप्पण को “1.” के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्यांकित टिप्पण सं. 1 के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“2. ऐसे मूक बधिर व्यक्तियों को, जो बधिर नहीं हैं, गैर परिवहन यान के लिए चालन अनुज्ञप्ति का वैध प्रमाण पत्र मंजूर किया जा सकेगा ।”

25. उक्त नियमों के उपाबंध 8 की सारणी में,—

(क) “प्रमाणकर्ता/सत्यापनकर्ता प्राधिकारी” स्तंभ शीर्षक के स्थान पर “अनुमोदनकर्ता/

प्रमाणकर्ता/ सत्यापनकर्ता प्राधिकारी” स्तंभ शीर्षक रखा जाएगा ;

(ख) मद सं. (1) और (2) तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद सं.

और प्रविष्टियां क्रमशः रखी जाएंगी, अर्थात्:-

एलपीजी किट संघटक	अनुमोदनकर्ता/प्रमाणकर्ता/सत्यापनकर्ता प्राधिकारी,	एआईएस 026/027 का खंड/अन्य नियम, मान, आदि
---------------------	--	---

“(1) (क) चार पहिए और उससे अधिक पहिए यानों के लिए सिलेंडर	विदेशी मेक की दशा में विस्फोटक विभाग, नागपुर अनुमोदित/पृष्ठांकित करेगा	गैस सिलेंडर नियम, 1981 के अधीन यथा अनुमोदित ईसीई-आर-67-01,आईएस : 14899-2000
(ख) दुपहिया और तिपहिया यानों के लिए सिलेंडर	विदेशी मेक की दशा में विस्फोटक विभाग, नागपुर अनुमोदित/पृष्ठांकित करेगा	गैस सिलेंडर नियम, 1981 के अधीन यथा अनुमोदित ईसीई-आर-67-01,आईएस : 14899-2000
(2) सिलेंडर वाल्व/बहुकृत्य वाल्व	विदेशी मेक की दशा में विस्फोटक विभाग, नागपुर अनुमोदित/पृष्ठांकित करेगा	गैस सिलेंडर नियम, 1981 के अधीन यथा अनुमोदित ईसीई-आर-67-01,आईएस : 15100-2001”।

[फा. सं. आरटी-11028/11/2002-एमवीएल]

आलोक रावत, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम सा.का.नि. 590 (अ), तारीख 2 जून, 1989 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और सा.का.नि. 83(अ), तारीख 5 फरवरी, 2003 द्वारा अंतिम संशोधन किया गया ।

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th July, 2003

G. S. R. 614(E).— The following draft rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, which the Central Government proposes to make in exercise the powers conferred by sections 27, 41, 50 and 110 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), is hereby published as required by sub-section (1) of section 212 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of sixty days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India, are made available to the public;

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules within the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government;

The Objections or suggestions, if any, to these draft rules be sent to the Joint Secretary (Transport), Ministry of Road Transport and Highways, Transport Bhawan, New Delhi, within the period, specified above.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Central Motor Vehicles (---Amendment) Rules, 2003.

(2) Save as otherwise provided in these rules they shall come into force after six months from the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Central Motor Vehicles Rules, 1989 (hereinafter referred as the said rules), in rule 2, for clause (d), the following clause shall be substituted from the date of final publication of this notification in the Official Gazette, namely:-

'(d) "financier" means a person and title holder cum dealer who lets his motor vehicle on hire under an agreement of hire purchase or lease or hypothecation to the operator with a permission to get it registered in his name as registered owner;'
3. In rule 50 of the said rules, in sub-rule (5), for the words and figures "more than 30 degrees", the words and figures "more than 45 degrees" shall be substituted.
4. In rule 57 of the said rules, in sub-rule (2), the following proviso shall be inserted from the date of final publication of this notification in the Official Gazette, namely:-

"Provided that motor vehicle in the name of the Central Government or State Government shall not be transferred by the concerned registering authority without verifying the proceeding of the auction or disposal of the concerned vehicle."

5. After rule 93 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:-

"93A. Overall dimension for agricultural tractors.-

- (1) The overall width of the agricultural tractor shall not exceed 2.6 metres
- (2) The overall length of the agricultural tractor shall not exceed 6.5 metres.
- (3) The overall height of the agricultural tractor shall not exceed 3.8 metres.
- (4) The overhang of the agricultural tractor shall not exceed 1.85 metres".

6. In rule 94 of the said rules.-

(a) in sub-rule (1), for the words "Every motor vehicle", the words "Every motor vehicle including agricultural tractor and its trailer" shall be substituted;

(b) in sub-rule (2), for the words "a motor vehicle", the words "a motor vehicle including agricultural tractor and its trailer" shall be substituted;

(c) in sub-rule (3), after the second proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided also that the requirements of the Non-Skid depth (NSD) and Tread Wear Indicator (TWI) specified in clause (iv) shall not be applicable for the agricultural tractor tyres."

7. After rule 95 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:-

"95A. Size and ply rating of tyres for agricultural tractor.- (1) The tyre of the agricultural tractor shall have load carrying capacity as may be specified by the tyre manufacturer, subject to the maximum load specified by the agricultural tractor manufacturer shall not be greater than the load permitted by the tyre manufacturer.

(2) The agricultural tractor manufacturer, shall select the recommended or preferred rim size only, as suggested by the tyre manufacturer.

Note: For compliance to the above two sub-rules, the following shall be referred to. IS: 13154-1991 - Tyres for agricultural tractor, implement and power tillers." In case a particular size of tyres is not listed in IS:13154-1991, any equivalent International Standard like ECE, JATMA, ETRO, T & RA and ITTAC, etc., shall be accepted".

8. In rule 96 of the said rules, in sub-rule (4), clause (iv) shall be omitted.

9. After rule 96B of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:-

"96C. Brakes for agricultural tractor.- The braking system of the agricultural tractor shall conform to IS: 12061-1994 and IS:12207-1999".

10. In rule 98 of the said rules,-

(a) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

"(2) The steering gear of every motor vehicle shall be so constructed as to conform with the Indian Standards IS:12222-1987, as modified from time to time.";

(b) in sub-rule (3), for the words "invalid carriages and agricultural tractors", the words "and invalid carriages" be substituted.

(c) for sub-rule (5), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

"(5) The power steering shall be fitted with :-

(a) the Category N3 multi-axle vehicles on and from 1st May, 2004; and

(b) other than multi-axle vehicles of Category N3 on and from 1st December, 2004."

11. After rule 98A of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:-

"98B. Steering. Gears for agricultural tractors.- (1) The steering gear of agricultural tractor shall be maintained in good and sound condition, free from backlash exceeding 30 degrees on the steering wheels. All ball joints connecting the steering linkage shall be protected by rubber caps and where the connections are secured with bolts, or pins, the bolts or pins shall be effectively locked.

(2) The turning circle diameter and turning circle clearance diameter of every agricultural tractor shall conform to IS:11859-1986.

(3) The steering effort requirement of agricultural tractor shall conform to AIS:042 as amended from time to time."

12. In rule 99 of the said rules, for the words "construction equipment vehicle", the words "construction equipment vehicle and agricultural tractor" be substituted.

13. In rule 106 of the said rules, in sub-rule (1), the proviso to clause (a) shall be omitted.

14. In rule 112 of the said rules, in the fourth proviso, for the words "Provided further that in the case of tractors, vertical", the words "Provided further that in the case of agricultural tractors, vertical or horizontal" shall be substituted.

15. In rule 115 of the said rules.-

(a) in sub-rule (7), for the words "six months or any lesser period as may be specified by the State Government from time to time", the words "six months" shall be substituted;

(b) after sub-rule (7), the following proviso shall be inserted; namely:-

"Provided that with effect from 1st of October, 2004, Carbon Monoxide (CO) emission norms for new generation vehicles manufactured on or after the 1st April, 2000 shall conform to the following values; namely:-

- (i) for petrol driven vehicles, other than two wheelers and three wheelers, 0.5% CO for closed loop 3-way catalytic converter fitted vehicles, and 3.0% for other vehicles'
- (ii) for petrol driven vehicles, 4 stroke two wheelers and three wheelers fitted with catalytic converter, the CO limit shall be 3.5%;
- (iii) Hydro Carbon (HC) standards in case of in-use 2-stroke two-wheelers shall be 6000 ppm and in case of 4-stroke two wheelers and three-wheelers, 4500 ppm;
- (iv) for Bharat Stage-II compliant motor cars fitted with a 3-way catalytic converter, emission level of 750 ppm of HC and for others 1500 ppm;
- (v) in case of two wheelers and three wheelers manufactured prior to the 1st April, 2000, the HC limit shall be 9000 PPM.

"Provided further that in case of petrol vehicles fitted with three way closed loop catalytic converters operating in a specific city or area, the Government of the respective State or Union Territory Administration, as the case may be, may, by notification in the Official Gazette, specify the introduction of measurement of LAMBDA and tighter emission norms for in-use vehicles with such periodicity as may be warranted, after ensuring that gas analyzers capable of measuring the values, duly approved by the testing agencies, are available in such city or area, as the case may be.";

16. In rule 115B of the said rules:-

(a) for the portion beginning with the words, "Mass emission standards for vehicles" and ending with the words and figures, "Fuel shall not be less than 70%", the following words, letters and figures shall be substituted, namely:-

"Mass emission standards for vehicles when operating on Compressed Natural Gas (hereinafter in this rule referred to as "CNG") shall be the same as are applicable for gasoline vehicles with the exception that HC shall be replaced by Non-Methane Hydrocarbon (MNHC), where $MNHC = 0.3 \times HC$."

(b) in item B relating OE. CNG Vehicles/Converted Diesel Vehicle, in clause III the following clause shall be substituted, namely:-

"(III) Special exemption shall be available for the diesel converted vehicles and where in such vehicle model/chassis meets the Bharat Stage II Norms under these rules, then Type Approval may be extended to base vehicle model and its variants falling under clause (II) of item B manufactured up to the validity of such Bharat Stage-II norms. Testing agencies shall be required to indicate specifically, the model and their variants on which the certificate shall be valid;"

17. In rule 115C of this said rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted; namely:-

"(1) Mass emission standards for vehicles when operating on LPG shall be the same as are applicable for gasoline vehicles where HC shall be replaced by Reactive Hydrocarbons (RHC), where $RHC = 0.5 \times HC$.";

18. In rule 119 of the said rules, -

(a) in sub-rule (1), for the words "including construction equipment vehicle", the words "including construction equipment vehicle and agricultural tractor" shall be substituted;

(b) in sub-rule (2), for the words "motor vehicle", the words "motor vehicle including agricultural tractor" shall be substituted;

19. In rule 120 of the said rules.-

(a) in sub-rule (1), for the words "Every motor vehicle", the words "Every motor vehicle including agricultural tractor" shall be substituted.

(b) In the sub-rule 2, after the Table, the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided that maximum noise standards shall be permitted as per the limits specified in Part E of the Schedule VI to the Environment (Protection) Rules, 1986.";

(c) After sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

"(3) In the case of agricultural tractor, the passby noise test and the noise level test at the operator's ear level shall be carried out as per IS:12180, as amended from time to time and shall conform to the levels as indicated in the Table below:-

TABLE

Sl. No.	Date of Implementation	By Stander's Position	Operator's Ear level
(1)	Startup (i.e. from the date of notification)	90 dB (A)	100 dB (A)
(2)	Two years from the date of notification	88 dB (A)	98 dB (A)".

20. In rule 121 of the said rules, in sub-rule (1), for the words "construction equipment vehicle", the words "agricultral tractor and construction equipment vehicle" shall be substituted.

21. In rule 122 of the said rules, in sub-rule (1), for the words "every motor vehicle other than trailers and semi-trailers", the words "every motor vehicle including agricultral tractor and construction equipment vehicle other than trailer and semi-trailer" shall be substituted.

22. After rule 124 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:-

"124A. Safety standards of components for agricultural tractors.- (1) The lamps used on agricultural tractors shall be following types -

- (i) Head light main and dip;
- (ii) Parking light;
- (iii) Direction indicator lamp;
- (iv) Tail lamp;

- (v) Reversing lamp;
- (vi) Stop lamp;
- (vii) Rear Registration mark indicating lamp; and
- (viii) Top light,
and shall be in accordance with IS: 1606-1979.

- (2) The lighting and light signalling devices for agricultural tractor shall be in accordance with AIS:030, as amended from time to time, till such time corresponding BIS standards are notified;

Provided that the performance requirements of the lighting, light signalling and indicating systems of agricultural tractor manufactured on and from 1st April, 2005 shall be in accordance with safety standard AIS: 062/D1, as amended from time to time, till such time corresponding BIS standards are notified.

- (3) The hydraulic brake hoses wherever used in agricultural tractor and its trailer shall be in accordance with IS:7079-1995.
- (4) The vegetable, non-mineral based hydraulic fluids, wherever used in agricultural tractor shall be in accordance with IS: 8654-1986.
- (5) The tow hook wherever used in agricultural tractor shall be in accordance with IS: 12362 (Part 2), as amended from time to time.
- (6) The fuel tanks of agricultural tractor shall comply with the requirements laid down in IS: 12056, as amended from time to time;

Provided that the clause 3.2.1 of IS 12056 be exempted for agricultural tractor that have a gravity feed fuel flow system.

- (7) The wheel nuts and hub caps used in agricultural tractor shall be in accordance with IS: 13941-1994."

23. In rule 126 of the said rule,

(a) for the words "manufacturer", the words "manufacturer or importer" shall be substituted;

(b) after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely:-

"Provided further that in respect to the vehicles imported into India as completely built units (CBU), the importer shall submit a vehicle of that particular model and type to the testing agencies for granting a certificate by that agency as to the compliance to the provisions of the Act and these rules."

24. In Form 1A of the said rules, in Note, the following shall be inserted from the date of final publication of this notification in the Official Gazette, namely:-

In Form 1A of this said rules, the Note shall be numbered as "1". thereof, and after Note No. 1 as so numbered, the following Note shall be inserted namely:-

2. The dumb persons without deafness may be granted a valid certificate of driving licence for non-transport vehicle".

25. In Annexure VIII of the said rules, in the Table. -

(a) for the column heading "Certifying/Verifying Authority", the column heading "Approving/Certifying/Verifying Authority" shall be substituted;

(b) For items No. (1) and (2) and the entries relating thereto, the following items No. and entries, respectively shall be substituted, namely:-

LPG Kit Component	Approving/Certifying/Verifying Authority	Clause of AIS 026/027/other Rules, Standards, etc.
"1. a) Cylinder for four wheelers and above	Department of Explosives, Nagpur to approve/endorse in case of foreign make	ECE-R-67-01, IS:14899-2000 as approved under Gas Cylinder Rules, 1981
b) Cylinder for two wheelers and three wheelers	Department of Explosives, Nagpur to approve/endorse in case of foreign make	ECE-R-67-01, IS:14899-2000 as approved under Gas Cylinder Rules, 1981
2) Cylinder Valves / Multi Function Valve	Department of Explosives, Nagpur to approve/endorse in case of foreign make	ECE-R-67-01, IS:15100-2001 as approved under Gas Cylinder Rules, 1981".

[F.No. RT-11028/11/2002-MVL]

ALOK RAWAT, Jt. Secy.

Note: The principal rules were notified vide G.S.R. 590 (E) dated the 2nd June, 1989 and last amended vide G.S.R. 83 (E), dated the 5th February, 2003.